महिला उद्यमिता और शिक्षा विकास की धुरी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू स्थित महिला महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य प्रो. अन्नपूर्णा शुक्ला ने महिला शिक्षा व उद्यमिता को विकास की धुरी बताया है। उन्होंने विविध आयामों में सामाजिक कार्यकर्ताओं के कार्यों की प्रासंगिकता एवं शैक्षिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। वह रविवार को आइआइटी की ओर से एबीएलटी में आयोजित तीन दिवसीय उद्यमी संगम के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

इस दौरान विभिन्न संगठनों के कार्यों व संबंधित क्षेत्रों की तकनीकी समस्याओं पर संवाद किया गया। नगर के उद्यमी व समाजसेवी उमाशंकर गुप्त ने कहा कि समय-समय पर काशी में निकलने वाली धार्मिक यात्राओं की कल्चरल मैपिंग के लिए आइआइटी को आगे आना चाहिए। पर्यावरण, जल संरक्षण व जैविक खेती पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर पुरातत्व अधिकारी डा. सुभाष यादव, सुभाष मिश्र, सुरेश शुक्ल, डा. राजेश श्रीवास्तव, विजय त्रिपाठी, कपिंद्र तिवारी, विजय कृष्ण, योगेश श्रीवास्तव, चंद्रशेखर मिश्र, अजय सुमन, अभिषेक श्रीवास्तव, रविशेखर, सुदीप टंडन आदि आदि ने भी विचार रखे। यह आयोजन प्रो. पीके मिश्र की देखरेख में हुआ।

दैनिक जागरण– 03.09.2018